नसीबा | By Sakshi Agarwal

तूने मेरा नसीबा बनाया, है रोते को हंसाया
कि सांवरा कमाल करता हाए.....
कि सांवरा कमाल करता
मेरा गुलशन तूने महकाया, दीवाना है बनाया
कि सांवरा कमाल करता हाए.....
कि सांवरा कमाल करता

दिया तूने श्याम मेरे, जो ना औकात थी
किया तूने प्यार मुझे, क्या सौगात दी
तूने नज़दीक मुझको बिठाया, है सीने से लगाया
कि सांवरा कमाल करता हाए.....
कि सांवरा कमाल करता

तेरी वजह से मेरी, हस्ती है ज़िंदा
शान से जीता है, श्याम का बन्दा
सारे संकट से मुझको बचाया, फलक पे बिठाया
कि सांवरा कमाल करता हाए.....
कि सांवरा कमाल करता

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%b8%e0%a5%80%e0%a4%ac%e0%a4%be-by-sakshi-agarwal/